आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 145 | उज्जैन, शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

देश से 2026 तक नक्सलवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा- गृहमंत्री श्री अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव नीमच में कें.रि.पु.बल के 86वे स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए

नीमच। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा। इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफ के जवान सदैव उपलब्ध होते है। जब भी देश का स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सीआरपीएफ के शहीदों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह गुरुवार को नीमच स्थित सीआरपीएफ के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ के कर्मियों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने सीआरपीएफ बल की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियाँ, शांति स्थापना के कार्यों में निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां सीआरपीएफ है, वहां चिंता करने की कोई बात नहीं÷।

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि आज सीआरपीएफ के 3 लाख जवान देश में कानून-व्यवस्था और शांति स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

हवाई यात्री यातायात में बोलेगी भारत की तूती, वृद्धि दर 2026 में चीन छूट जाएगा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। हवाई अड्डों के समूह एयरपो?र्ट्स इंटरनेशनल काउंसिल (एसीआइ) ने बुधवार को कहा कि भारत 2026 में हवाई यात्री यातायात वृद्धि दर में पड़ोसी देश चीन से आगे निकल जाएगा।

भारत की हवाई यात्री यातायात वृद्धि दर 10.5 प्रतिशत रहेगी- एसीआइ का अनुमान है कि भारत की हवाई यात्री यातायात वृद्धि दर 10.5 प्रतिशत रहेगी। दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक विमानन बाजारों में एक भारत की हवाई यात्री यातायात वृद्धि दर इस साल 10.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो चीन के लिए निर्धारित 12 प्रतिशत से कम है। भारत की तुलना में पड़ोसी देश का विमानन बाजार काफी बड़ा है। एसीआइ के एशिया-प्रशांत और मध्य पूर्व के महानिदेशक स्टेफनो बैरोन्सी ने कहा कि भारत एक ऐसा बाजार है जो विकसित हो रहा है और अपने बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की प्रक्रिया में है।

भारत की हवाई यात्री वृद्धि दर 2026 में 10.5 प्रतिशत रहेगी - एसीआइ एशिया-प्रशांत और पश्चिमी एशिया के 600 से अधिक एयरपोर्ट का प्रतिनिधित्व करता है।

कौन हैं IAS दिव्या एस अय्यर, सोशल मीडिया पोस्ट से क्यों मचा हंगामा; CM के निशाने पर कांग्रेस नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की आईएएस अधिकारी दिव्या एस अय्यर इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने सीपीएम नेता की तारीफ की थी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर राजनीतिक दल और सोशल मीडिया यूजर्स उन पर सवाल उठा रहे हैं।

क्या है मामला- दिव्या अय्यर मौजूदा समय में केरल के पठानमथिट्टा जिले की कलेक्टर हैं और साथ ही विझिनजाम पोर्ट की मैनेजिंग डायरेक्टर भी हैं। दरअसल, आईएएस दिव्या ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के निजी सचिव रहे केके रागेश की तारीफ की थी। दिव्या ने रागेश के लिए लिखा, पिछले तीन सालों में रागेश से बहुत कुछ सीखा है। वह एक मेहनती व्यक्ति हैं और हमेशा उन्होंने बहुत सम्मान दिया है, जिसके लिए धन्यवाद। एक ऐसी कला जो दुनिया भर में सत्त के गलियाओं में लुप्तप्राय होती जा रही है।

कांग्रेस नेताओं ने की आलोचना- हालांकि, उनकी इस पोस्ट के बाद कई कांग्रेस नेताओं ने आईएएस अधिकारी दिव्या एस अय्यर को निशाने पर लिया, जिसके बाद सीएम पिनाराई विजयन उनके बचाव में आगे आए और उन्होंने कांग्रेस पर पुरानी सोच रखने का आरोप लगाया।

क्या है अनुच्छेद 142, क्यों उप-राष्ट्रपति धनखड़ ने किया इसका जिक्र? बोले- SC के हाथ में 24 घंटे रहता है न्यूक्लियर मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए आदेश दिया था कि राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा निर्धारित की जाए। इस फैसले के कुछ रोज बाद ही उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तल्ख अंदाज में न्यायपालिका को जवाब दिया है।

उन्होंने कहा कि हम ऐसे हालात नहीं बना सकते हैं कि न्यायपालिका राष्ट्रपति को निर्देश दें। इसके अलावा उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले अनुच्छेद 142 का जिक्र करते हुए इसे न्यूक्लियर मिसाइल बता दिया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, हाल ही में एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है। हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या हो रहा है? हमें बेहद संवेदनशील होना होगा। यह सवाल नहीं है कि कोई समीक्षा दायर करता है या नहीं। हमने इसके लिए कभी लोकतंत्र से समझौता नहीं किया।

तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल मामले में सर्वोच्च न्यायालय के 8 अप्रैल के फैसले का हवाला देते हुए धनखड़ ने कहा, इसलिए, हमारे पास न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद की तरह काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। उन्होंने आगे कहा, हम ऐसे हालात तैयार नहीं कर सकते हैं जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और वो भी किस आधार पर? संविधान के तहत आपके पास इकलौता अधिकार अनुच्छेद 145 (3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है।

सपरिवार भारत आ रहे हैं अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस, टैरिफ पर होगी बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी ऊषा (पहली भारतीय-अमेरिकी मूल की द्वितीय महिला) 18 अप्रैल को भारत दौरे पर आ रहे हैं।

टैरिफ के मुद्दों को सुलझाएंगे भारत और अमेरिका- 18 से 24 अप्रैल तक के इस दौरे में वेंस दंपती भारत के बाद इटली के दौरे पर जाएंगे। अपने भारत प्रवास के दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे और संभवत- टैरिफ के मुद्दों को सुलझाएंगे।

विश्व के व्यापार पटल पर भारी हलचल- ट्रंप प्रशासन के टैरिफ लगाने के ऐलान से विश्व के व्यापार पटल पर भारी हलचल देखी जा रही है। ऐसे माहौल में पीएम मोदी और अमेरिकी उप राष्ट्रपति वेंस की यह मुलाकात खासी अहम मानी जा रही है।

जयपुर और आगरा का भ्रमण करेंगे वेंस - सूत्रों के अनुसार वेंस दंपती अपने तीनों बच्चों इवान, विवेक और मीराबेल के साथ भारत आएंगे, जहां वह नई दिल्ली के अलावा जयपुर और आगरा का भ्रमण करेंगे।

दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के अनुसार उप राष्ट्रपति हरेक देश के नेताओं से वरीयता के आधार पर साझा आर्थिक और भूराजनीतिक विषयों पर चर्चा करेंगे।

उप राष्ट्रपति वेंस प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, उप राष्ट्रपति का परिवार उनके साथ नई दिल्ली, जयपुर और आगरा के सांस्कृतिक स्थलों का दौरा करेगा।

अगले 12 महीनों में दोगुनी होगी एयरलाइन की संख्या, कंपनी के परफॉर्मेंस पर स्पाइसजेट के चेयरमैन ने जताई खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने बुधवार को कहा कि उनकी कंपनी की पुनरुद्धार योजना बहुत अच्छी चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि एयरलाइन अगले 12 महीनों में अपने मौजूदा बेड़े को दोगुना करने की राह पर है। बता दें कि जनवरी में स्पाइसजेट ने अप्रैल के मध्य तक चार बोइंग बी737 मैक्स सहित अपने 10 खड़े विमानों को पुनः परिचालन में लाने की योजना की घोषणा की थी।ल किए गए हैं।

कैसे चुना जाता है बीजेपी अध्यक्ष, कितनी होती है ताकत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया तेज कर दी है और इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत शीर्ष नेताओं की बैठक हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और ओडिशा जैसे प्रमुख राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति पर मंथन किया गया। अब तक 14 राज्यों में अध्यक्ष तय किए जा चुके हैं, लेकिन पार्टी संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तब तक नहीं हो सकता जब तक 19 राज्यों में संगठनात्मक चुनाव न हो जाएं।

बताया जा रहा है कि बाकी राज्यों के नाम जल्द तय कर लिए जाएंगे और इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तारीख का ऐलान प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए किया जाएगा। संभावना है कि यह चुनाव इसी महीने के अंत या अगले महीने की शुरुआत में कराया जा सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं बीजेपी अध्यक्ष कैसे चुना जाता है और इस पद की ताकत कितनी होती है?

कैसे होता है बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव?

बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव पार्टी की राष्ट्रीय और राज्य कार्यकारिणियों के सदस्यों से बने एक चुनावी कॉलेज के जरिए होता है, मगर असल में ये फैसला आम सहमति और वरिष्ठ नेताओं की राय से तय किया जाता है। कोई भी व्यक्ति इस पद के लिए तभी योग्य होता है जब वह कम से कम 15 सालों से पार्टी का सक्रिय सदस्य रहा हो। साथ ही चुनाव तब तक नहीं कराए जा सकते जब तक पार्टी के कम से कम आधे राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे न हो जाएं।

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है और एक व्यक्ति लगातार दो बार से ज्यादा इस पद पर नहीं रह सकता। हालांकि, अब तक जितने भी अध्यक्ष बने हैं, वे सभी निर्विरोध चुने गए हैं। इसके साथ ही आरएसएस की सहमति इस चुनाव में अहम भूमिका निभाती है।

क्या होती हैं जिम्मेदारियां- इस पद की ताकत की बात करें तो बीजेपी अध्यक्ष जिम्मेदारी बेहद व्यापक होती है। पार्टी की रणनीति बनाना, चुनावी उम्मीदवारों का चयन करना और संगठन को एकजुट रखना, ये सभी जिम्मेदारियां अध्यक्ष के ही कंधों पर होती हैं। पार्टी के संविधान की धारा 20 के अनुसार, अध्यक्ष को 120 सदस्यों वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन करने का अधिकार है, जिसमें महिला, अनुसूचित जाति और जनजाति वर्गों को तय अनुपात में प्रतिनिधित्व देना जरूरी है।

अध्यक्ष ही पार्टी के पूर्ण अधिवेशन की अध्यक्षता करता है और जरूरत पड़ने पर संगठन महामंत्री की मदद से क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर संगठन मंत्रियों की नियुक्ति भी करता है। यही नहीं, प्रत्याशियों के चयन से लेकर प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्तियों में भी उनका अंतिम फैसला चलता है।

सोमालिया में सेना को मिली बड़ी कामयाबी, अल-शबाब के 12 आतंकियों को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमाली सेना की तरफ से मध्य सोमालिया में कई हवाई हमले किए गए। इन हवाई हमलों में 12 अल शबाब आतंकवादी मारे गए और दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में सेना द्वारा 35 अन्य इस्लामवादियों को मार गिराया गया। बताया जा रहा है ये आतंकवादी सैन्य अड्डे पर हमला करने की कोशिश कर रहे थे।

बुधवार देर रात को किया गया हवाई हमला अलकायदा से जुड़े समूह के लड़ाकों द्वारा क्षेत्र में एक रणनीतिक शहर पर हमला करने के कुछ घंटों बाद हुआ, जो 2007 से विद्रोह कर रहा है। अल शबाब जो इस्लामी कानून की अपनी सख्त व्याख्या के आधार पर सत्ता और शासन को जब्त करना चाहता है ने पिछले महीने मोगादिशू के 50 किमी (30 मील) के अंदर के गांवों पर कब्जा कर लिया, जिससे राजधानी के निवासियों में यह डर पैदा हो गया कि शहर को निशाना बनाया जा सकता है।

आतंकवादियों ने इन जगहों को बनाया निशाना - सोमालिया की सरकार ने कहा कि मध्य अदन याबाल जिले में सोमाली बलों और यूनाइटेड स्टेट्स अफ्रीका कमांड (अफ्रीकॉम) की तरफ से किए गए हवाई हमले में मारे गए लोगों में कई वरिष्ठ अल शबाब लड़ाके शामिल थे।

सूचना मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा, लक्षित हमले में आतंकवादियों द्वारा सभा और छिपने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जगह को निशाना बनाया गया... महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें कोई नागरिक हताहत नहीं हुआ।

सेना ने 35 लड़ाकू को मार गिराया - मंत्रालय ने इस मामले में बताया कि एक अलग घटना में राष्ट्रीय सेना ने बैदोआ शहर के पास कम से कम 35 लड़ाकों को मार गिराया। बुधवार को अदन याबाल शहर में भीषण लड़ाई हुई, जो मोगादिशू से लगभग 245 किमी (150 मील) उत्तर में स्थित है और इसे अल शबाब पर छापे के लिए एक संचालन आधार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

धरती से 700 खरब मील दूर K2-18 ग्रह पर दिखा ऐसा नजारा, झूमने लगे वैज्ञानिक; क्या मिल गए एलियंस?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब से इंसानों ने समझ विकसित की है, तभी से सभी के मन में एक सवाल हमेशा आता रहता होगा और वो सवाल है कि क्या धरती को छोड़कर ब्रह्मांड में कहीं और भी जीवन है? एक नई खोज में वैज्ञानिकों को कुछ ऐसा मिला है, जिसके बाद शायद इस सवाल का जवाब मिल जाए।

धरती को छोड़कर ब्रह्मांड में कहीं और भी जीवन खोजने का काम सालों से चला आ रहा है। अब एलियन लाइफ को लेकर एक मजबूत हिंट मिला है, जिसके बाद संभावना जताई जा रही है कि हम जल्द दूसरे ग्रह पर जीवन खोज लेंगे।

क्या सबूत मिले- वैज्ञानिकों को नए सबूत मिले हैं कि किसी दूसरे तारे की परिक्रमा करने वाली दूर की दुनिया में जीवन हो सकता है।

K2-18b नाम के ग्रह के वातावरण का अध्ययन करने वाली कैम्ब्रिज टीम ने ऐसे अणुओं (मॉलिक्यूल्स) के संकेतों का पता लगाया है जो पृथ्वी पर केवल साधारण जीवों द्वारा निर्मित होते हैं।

यह दूसरी बार है जब नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) द्वारा इस ग्रह के वायुमंडल में जीवन से जुड़े रसायनों (केमिकल्स) का पता लगाया गया है।

इस बार का सबूत पहले से ज्यादा आशा जगाता है, लेकिन खोज करने वाली टीम और स्वतंत्र खगोलविदों का कहना है कि इन रिजल्ट्स की पुष्टि के लिए अधिक डेटा की आवश्यकता है।

बड़ा बदलाव है, पता नहीं कैसे सोचें, US सेंट्रल बैंक के चीफ ने ट्रंप के टैरिफ पर दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक व्यापार युद्ध का प्रभाव कई इंडस्ट्री पर महसूस किया जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप अपनी टैरिफ पॉलिसी पर दुनिया के तमाम देशों से ही नहीं, खुद अपने देश के अंदर भी आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं।

इस बीच अमेरिका के केंद्रीय बैंक, फेड रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने भारी महंगाई की चेतावनी दे दी है। फेड अध्यक्ष ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के तहत नीतिगत बदलावों ने फेडरल रिजर्व को अज्ञात संकट में डाल दिया है।

महंगाई की चेतावनी- फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने ज्यादा महंगाई की चेतावनी देते हुए कहा कि ट्रम्प प्रशासन के तहत नीतिगत परिवर्तनों ने फेडरल रिजर्व को अज्ञात क्षेत्र में डाल दिया है।

शिकागो में दिए गए भाषण में पॉवेल ने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा अब तक घोषित टैरिफ बढ़ोतरी का स्तर अनुमान से कहीं अधिक है और इस मुद्दे पर बनी अनिश्चितता स्थायी आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है। पॉवेल ने कहा, ये बहुत ही मौलिक नीतिगत परिवर्तन हैं...इस बारे में कैसे सोचा जाए, इसका कोई आधुनिक अनुभव नहीं है। फेड को पूर्ण रोजगार को बढ़ावा देने और महंगाई को नियंत्रण में रखने का काम सौंपा गया है।

क्या सुधरेंगे अमेरिका-ईरान के रिश्ते? रोम में होगी परमाणु वार्ता; ट्रंप ने हमले की दी थी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान का अमेरिका के साथ इस सप्ताह के अंत तक परमाणु वार्ता का अगला दौर रोम में आयोजित किया जाएगा। ईरान ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है। पहले इस बात पर भ्रम था कि वार्ता कहां आयोजित होगी।

किन मुद्दों पर होगी बातचीत- यह जानकारी तब सामने आई है जब ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने औपचारिक रूप से अपने एक उप-राष्ट्रपति के इस्तीफे को मंजूरी दे दी है, जो 2015 के परमाणु समझौते में तेहरान के प्रमुख वार्ताकार थे।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के राफेल मारियानो ग्रासी भी बुधवार को इस्लामिक गणराज्य पहुंचे हैं। उनकी वार्ता में किसी भी प्रस्तावित सौदे के तहत आइएईए निरीक्षकों को क्या पहुंच मिल सकती है, बातचीत में यह शामिल हो सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप ने दी थी धमकी - ओमान शनिवार को रोम में होने वाली वार्ता में फिर से मध्यस्थता करेगा। ओमान के विदेश मंत्री ने पिछले सप्ताहांत मस्कट में हुई पहले दौर की वार्ता में दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

हम हिंदुओं से अलग हैं, कश्मीर पर गीदड़भभकी देते हुए पाक सेना प्रमुख ने उगला भारत के खिलाफ जहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भारत और हिंदुओं के खिलाफ तीखी बयानबाजी की है। उन्होंने कहा- पाकिस्तानी की कहानी आपको अपने बच्चों को जरूर सुनानी है।

आसिम मुनीर ने आगे कहा-हमारे पूर्वजों ने सोचा था कि हम हर एंगल में हिंदुओं से अलग है, हमारा रिवाज, हमारा धर्म, हमारी सोच सब इनसे अलग है। हम दो राष्ट्र हैं, एक नहीं। हमने इस देश के लिए बहुत बलिदान दिए है, हमें पता है कि इस देश को बनाने में कितने संघर्षों का सामना करना पड़ा है।

हम जल्द ही आंतकवादियों की कमर तोड़ देंगे- दुनिया में केवल दो रियासतें अल्लाह ने कलमे की बुनियाद पर बनाई हैं, एक मदीना और दूसरा पाकिस्तान। उन्होंने कहा कि अल्लाह ने 1300 साल के बाद पाकिस्तान बनाया है। अपने भाषण के आखिर में मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान की शिरगर्द नस बताया और गाजा में इजरायल की कार्रवाई की आलोचना करते हुए फलस्तीनियों के प्रति समर्थन जताया।

पाकिस्तान के दुश्मन सोचते हैं कि- उन्होंने आगे भारत के खिलाफ विद्रोह जताते हुए कहा-क्या पाकिस्तान के दुश्मन ये सोचते हैं कि सिर्फ 1500 आतंकवादी देश की किस्मत बदल देंगे, हम जल्द ही आंतकवादियों की कमर तोड़ देंगे।

असीम मुनीर ने आगे भावुक अंदाज में कहा कि, मेरे भाई-बहन, बेटे-बेटियों मेहरबानी करके पाकिस्तान की इस कहानी को कभी मत भूलना। इसे अपनी आने वाली पीढ़ियों को जरूर बताना।

ट्रंप ने एलन मस्क को सौंपा नया काम, अमीर अप्रवासियों की लगने वाली है लॉटरी; क्या है Gold Card और इसकी खासियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार में कटौती करने वाले टास्क फोर्स में एलन मस्क का कार्यकाल समाप्त होने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अरबपति सहयोगी और अपने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी को एक नया काम सौंपा है। अमीर अप्रवासियों को गोल्ड कार्ड बेचने के लिए एक सिस्टम बनाना।

रिपोर्ट के अनुसार, मस्क की टीम से जुड़े इंजीनियर 5 मिलियन डॉलर की कीमत वाले विशेष आव्रजन वीजा के लिए एक वेबसाइट और आवेदन प्रक्रिया बनाने पर काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि DOGE टीम वीजा पोर्टल बनाने के लिए स्टेट डिपार्टमेंट, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और यूनाइटेड स्टेट्स सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज के कर्मचारियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

क्या है गोल्ड कार्ड की खासियत- अमेरिकी राष्ट्रपति ने फरवरी के अंत में बहुत हाई लेवल के लोगों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की नागरिकता के लिए नया रास्ता तलाशा और इसे गोल्ड कार्ड कहा।

हालांकि, उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति या उनकी टीम ने इस बारे में बहुत कम डिटेल दिए कि कौन इस कार्यक्रम के लिए योग्य होगा।

ट्रम्प प्रशासन ने कहा कि गोल्ड कार्ड मौजूदा EB-5 वीजा कार्यक्रम की जगह लेगा, जो अमेरिकी व्यवसायों में 800,000 या 1.05 मिलियन का निवेश करने के इच्छुक विदेशी नागरिकों को स्थायी निवास प्रदान करता है, जिससे अमेरिकी मजदूरों के लिए कम से कम 10 नौकरियां पैदा होती हैं।

कौन हैं दुनिया की पहली महिला सुशी शेफ जिन्हें मिला मिशेलिन स्टार? पति की मौत के बाद सपने को किया साकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान की 54 वर्षीय शेफ चिजुको किमुरा मिशेलिन स्टार जीतने वाली दुनिया की पहली महिला सुशी शेफ बन गई हैं। किमुरा के दिवंगत पति शुनेई किमुरा ने तीन साल पहले पेरिस में अपनी सुशी शुनेई रेस्टोरेंट के लिए मिशेलिन स्टार जीता था।

पति ने भी जीता था मिशेलिन स्टार- मिशेलिन स्टार जीतना किमुरा के पति शुनेई के लिए किसी सपने से कम नहीं था। लेकिन उनकी यह खुशी ज्यादा दिन नहीं टिकी और जून 2022 में 65 साल की उम्र में कैंसर की वजह से उनका निधन हो गया था।

अपने पति को याद करते हुए किमुरा ने कहा कि मैंने ये स्टार अपने पति की वजह से जीता है। उन्होंने कहा कि अगर शुनेई को कभी स्टार नहीं मिला होता, तो मुझे खुद स्टार पाने की इतनी इच्छा नहीं होती।

शेफ बनने का नहीं था लक्ष्य- बता दें, किमुरा ने कभी भी शेफ बनने का लक्ष्य नहीं रखा था। वो इस बिजनस में तब आई, जब उनके पति ने दशकों तक फ्रांस में काम करने के बाद अपना खुद का रेस्टोरेंट खोलने का फैसला किया था।

उन्होंने बताया कि जब रेस्टोरेंट खोलने का फैसला लिया गया उस वक्त उसके पति पहले से ही बीमार थे। किमुरा ने कहा, वो पहले से ही बीमार था और तभी मैंने उसकी मदद करना शुरू किया। मैं एक टूर गाइड के रूप में काम कर रही थी और कोविड के कारण नौकरी चली गई।

किमुरा ने बताया कि उसने अपने पति से ही मछली काटना, चावल पकाना और रेस्टोरेंट चलाना सीखा था। फिर जब उसके पति की बीमारी बढ़ती गई तो किमुरा ने उसकी देखभाल भी की।

राष्ट्रपति को आदेश देना लोकतंत्र के खिलाफ, सुप्रीम कोर्ट की किस टिप्पणी पर भड़के उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार एक टिप्पणी के जरिए सलाह दी थी कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर राज्यपालों द्वारा भेजे गए लंबित विधेयकों पर फैसला ले लेना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय की इस टिप्पणी पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रतिक्रिया दी है और इस पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि भारत ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी।

उपराष्ट्रपति ने किसे कहा सुपर संसद- उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, भारत ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे, कार्यकारी कार्य करेंगे और सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा, हाल ही में एक निर्णय द्वारा राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है। हम कहां जा रहे हैं? देश में क्या चल रहा है? हमें अत्यंत संवेदनशील होना होगा। यह कोई समीक्षा दायर करने या न करने का प्रश्न नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर धनखड़ ने दिया बयान- सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, हमनें इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी कल्पना नहीं की थी। राष्ट्रपति से समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है और यदि ऐसा नहीं होता है तो कानून बन जाता है।

राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए जगदीप धनखड़ ने कहा, हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में भी कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।

मेरी चिंताएं बहुत ज्यादा हैं- धनखड़ ने कहा कि उनकी चिंताएं बहुत उच्च स्तर पर है और उन्होंने अपने जीवन में कभी नहीं सोचा था कि उन्हें ये भी देखना पड़ेगा। कार्यक्रम में मौजूद प्रशिक्षुओं को उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि भारत के राष्ट्रपति का पद बहुत ऊंचा है।

सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों आ गए, वक्फ पर सुप्रीम सुनवाई से पहले क्या बोले वकील विष्णु जैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून को लेकर आज थोड़ी देर में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। वक्फ कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं कोर्ट में दायर की गई है। देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले पर सुनवाई कर रही है।

गुरुवार को सुनवाई से पहले वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि जब हमने वक्फ बोर्ड को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, तो कोर्ट ने हमसे पूछा था कि हम सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों आए और सुझाव दिया था कि हमें हाईकोर्ट जाना चाहिए, और हमें कोई अंतरिम राहत नहीं मिली, जबकि अलग-अलग हाईकोर्ट में 140 से ज्यादा याचिकाएं दायर की गई हैं।

हिंदू मंदिरों के अधिग्रहण से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा था- उन्होंने आगे सवाल पूछा कि अब क्या मापदंड है कि कोई दूसरा पक्ष सुप्रीम कोर्ट आए और उनको न सिर्फ सुनवाई हो बल्कि अंतरिम आदेश से जुड़ी बातें भी कही जाएं? पिछले 13 सालों से हिंदू मंदिरों के अधिग्रहण से जुड़े 4 राज्यों के हिंदू बंदोबस्त अधिनियम की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही थी और हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये मामले हाईकोर्ट में होने चाहिए।

अब दिसंबर तक पढ़ा सकते टीचर, बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में सुप्रीम कोर्ट ने दी रियायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले को लेकर अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ रियायत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि छात्रों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के जिन शिक्षकों की नियुक्ति इस महीने की शुरूआत में भर्ती में अनियमितताओं के कारण रद कर दी गई थी, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं।

अकादमिक सत्र जारी रहने के आधार पर 9वीं से 12वीं तक के शिक्षकों को कुछ समय बनाए रखने की छूट दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) के लिए समय सीमा तय कर दी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि एसएससी को 31 मई तक नई भर्ती प्रक्रिया के लिए विज्ञापन जारी करना होगा और चयन प्रक्रिया 31 दिसंबर तक पूरी करनी होगी।

क्या है कोर्ट का फैसला- सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, हम आवेदन में की गई प्रार्थना को स्वीकार करने के लिए इच्छुक हैं, जहां तक यह कक्षा 9 और 10 तथा कक्षा 11 और 12 के सहायक अध्यापकों से संबंधित है। कोर्ट ने कहा-हम ग्रुप सी और डी कर्मचारियों की प्रार्थनाओं को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं हैं, क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या अधिक है।

बार-बार वही सवाल पूछ रहे, जिनके जवाब दे चुका हूं; ED की पूछताछ के बाद बोले रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुग्राम लैंड स्कैम केस में कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। पूछताछ के बाद मीडिया के सवालों को जवाब देते हुए वाड्रा ने कहा कि कोई नया सवाल नहीं पूछा गया, वही सवाल दोहराए गए जिनके जवाब मैं 2019 में दे चुका हूं।

वाड्रा ने कहा, अगर कल पब्लिक हॉलिडे नहीं होता, तो मुझे अपना जन्मदिन ईडी ऑफिस में मनाना पड़ा। कल गुड फ्राइडे है और मैं अपना जन्मदिन अपने परिवार के साथ मनाऊंगा, वरना वे मुझे बुलाते रहेंगे।

तीसरे दिन ईडी के सामने पेश हुए- समन के जवाब में वाड्रा लगातार तीसरे दिन ईडी के समक्ष पेश हुए। वाड्रा ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए सरकार पर विपक्ष की आवाज को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

एएनआई से बात करते हुए वाड्रा ने ईडी की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि गैर-भाजपा दलों के नेताओं के खिलाफ चुनिंदा कार्रवाई की जा रही है। वाड्रा ने कहा, यह राजनीतिक प्रतिशोध है। एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह गलत है। जब देश में सीएम पद के किसी उम्मीदवार के पीछे एजेंसियां ??लग जाएं या कोई पार्टी अच्छा प्रदर्शन कर रही हो, तो उन्हें परेशान किया जाए, तो एजेंसियों पर भरोसा कैसे होगा?

वाड्रा ने कहा, अगर मैं राजनीति में आता, जो कि हर कोई चाहता है, तो वे (भाजपा) या तो वंशवाद की बात करेंगे या ईडी का दुरुपयोग करेंगे। यह मुश्किल तब शुरू हुई जब कुछ दिन पहले मैंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों के बारे में सोशल मीडिया पर संदेश दिया। यह और कुछ नहीं है। जब से मैंने कहा कि लोग चाहते हैं कि मैं राजनीति में आऊं, तब से यह मुश्किल शुरू हो गई है। लेकिन ईडी के समन का कोई आधार नहीं है।

प्रचंड गर्मी से मिलेगी राहत, बदलेगा उत्तर भारत का मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के ज्यादातर राज्यों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। कई राज्यों में दिन के दौरान तापमान 40 डिग्री पार कर चुका है। लोगों का गर्मी से बुरा हाल है। इसी बीच मौसम विभाग में राहत भरी खबर सुनाई है।

16 अप्रैल को एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो गया है। बंगाल की खाड़ी में भी चक्रवाती स्थितियां बनी हुई हैं। अगले कुछ दिनों में बंगाल, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में बारिश की उम्मीद है। वहीं, आज के मौसम की बात करें तो मौसम विभाग ने राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, राजस्थान में 19 अप्रैल से हीटवेव खत्म होने जा रही है।

बता दें कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में 20 अप्रैल तक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर रहेगा, जिसकी वजह से उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में अगले तीन दिनों तक यानी 18 अप्रैल से लेकर 20 अप्रैल तक बारिश की संभावना है।

17 और 18 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में बारिश, आंधी तूफान की आशंका है। वहीं, अगले कुछ दिनों तक पूर्वोत्तर भारत में जोरदार बारिश की उम्मीद है।

पूर्वोत्तर राज्यों में होगी जोरदार बारिश- मौसम विभाग की मानें तो 18 अप्रैल को बंगाल, 17 से लेकर 23 तारीख तक अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश की उम्मीद जताई जा रही है। बात करें पहाड़ी राज्यों की तो 20 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश में और 20, 21 तारीख को उत्तराखंड में बादल बरस सकते हैं।

गौरतलब है कि उत्तर पश्चिमी भारत और मध्य भारत के तापमान में अगले कुछ दिनों तक बदलाव नहीं होने वाले।

मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा

वक्फ कानून पर केंद्र को मिला 7 दिन का समय, फिलहाल नई नियुक्तियों पर लगी रोक

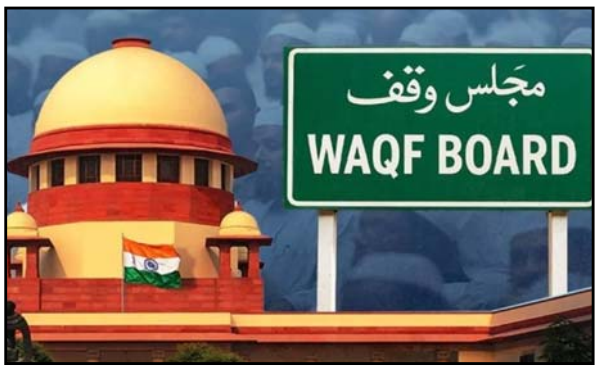

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज दूसरे दिन सुनवाई हुई। देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले पर सुनवाई की। सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल वक्फ बोर्ड और काउंसिल में कोई नियुक्ति न हो। इसपर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार अभी नियुक्ति नहीं करने वाली है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो। सरकार के जवाब तक यथास्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही अगले आदेश तक नई नियुक्तियां भी नहीं होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि जब मामला कोर्ट में लंबित है तो कोर्ट को यह सुनिश्चित करना होगा कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव न हो। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट से कुछ दस्तावेज पेश करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा और आश्वासन दिया कि बोर्ड या काउंसिल की कोई नियुक्ति नहीं होगी। अदालत ने ये भी कहा कि वक्फ बाय यूजर में भी कोई बदलाव नहीं होगा। बता दें कि वक्फ कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं कोर्ट में दायर की गई है।

मुख्य पांच आपत्तियों पर ही सुनवाई करेगी अदालत- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे पांच बिंदु तय करने होंगे, जिनपर सुनवाई होगी। 110-120 फाइलें पढ़ना संभव नहीं। नोडल काउंसिल के जरिए आपत्तियों को तय किया जाए। इस मामले पर 5 मई को अगली सुनवाई होगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण पंचमी

संपादकीय

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या वाला देश है

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या वाला देश है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश एक वरदान बन सकता है–यदि हम इसे कुशलता, योग्यता और आधुनिक ज़रूरतों के मुताबिक तैयार करें। परंतु अफसोस, हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक गहरे संकट से जूझ रही है। विश्वविद्यालयों में जो पढ़ाया जा रहा है और उद्योगों को जो चाहिए–इन दोनों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यह खाई केवल छात्रों की रोजगार क्षमता को ही नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी गंभीर रूप से बाधित कर रही है।

रोज़गार की हकीकत और शिक्षा की असंगति इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत में केवल 45.9त्न स्नातक ही रोजगार के योग्य पाए गए। इसका अर्थ यह है कि हर दो में से एक छात्र, जिसने उच्च शिक्षा प्राप्त की है, वह नौकरी के लायक कौशलों से लैस नहीं है। तकनीकी संस्थानों की स्थिति भी निराशाजनक है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 25त्न इंजीनियरिंग स्नातक ही आईटी सेक्टर में कार्य के लिए उपयुक्त पाए गए। यह स्थिति न केवल शिक्षा प्रणाली की विफलता है, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के सपनों के टूटने की त्रासदी भी है। इस समस्या की जड़ है – सैद्धांतिक और अकादमिक दृष्टिकोण वाली शिक्षा प्रणाली, जो व्यावहारिक दुनिया की ज़रूरतों से कटी हुई है। विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम दशकों पुराना है, जो आज के डेटा-संचालित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-प्रेरित, नवाचार-प्रधान उद्योग की ज़रूरतों से मेल नहीं खाता।

बदलते उद्योग, अपरिवर्तित पाठ्यक्रम आज की नौकरियाँ पहले जैसी नहीं रहीं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहे हैं। लेकिन इन उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों में ज़रूरी बदलाव नहीं हो पा रहा है। उदाहरणस्वरूप, ढ्ढढ्ढञ्ज हैदराबाद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बी.टेक प्रोग्राम शुरू किया है – यह एक दूरदर्शी कदम है। लेकिन अधिकांश विश्वविद्यालय अब भी पुरानी पाठ्य पुस्तकों और व्याख्यानों पर निर्भर हैं। यह स्थिति केवल तकनीकी पाठ्यक्रमों की नहीं है। वाणिज्य, मानविकी, समाजशास्त्र, मीडिया, कानून और अन्य विषयों में भी छात्रों को भविष्य की ज़रूरतों से लैस नहीं किया जा रहा है। परिणामस्वरूप, वे न तो नौकरी के लिए तैयार होते हैं, न ही नवाचार या उद्यमिता की दिशा में सोच पाते हैं।

समाधान की राह- पाठ्यक्रम और पेशे का सरेखण इस संकट का समाधान केवल एक तरफ़ा नहीं हो सकता। इसके लिए नीति, संस्थान और उद्योग–तीनों को एक साथ आगे आना होगा। हर 2-3 वर्षों में उद्योग विशेषज्ञों की मदद से पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि विषयवस्तु समय के साथ प्रासंगिक बनी रहे। शिक्षकों को उद्योगों में इंटर्नशिप या एक्सपोज़र दिया जाए ताकि वे छात्रों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप शिक्षा दे सकें। सभी विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम में उद्योगिक इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स और केस स्टडी आधारित मूल्यांकन शामिल करना चाहिए। तकनीकी और मानवीय विषयों का समावेश- केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि सॉफ्ट स्किल्स, संवाद क्षमता, टीमवर्क, सहानुभूति और नेतृत्व जैसे तत्वों का भी विकास किया जाना चाहिए। कंपनियाँ विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर रिसर्च लैब्स, इनोवेशन हब और स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करें – जैसा कि मद्रास का रिसर्च पार्क इसका उदाहरण है। अंतरराष्ट्रीय उदाहरण और प्रेरणा भारत को यह समझना होगा कि अकेले तकनीकी शिक्षा से संपूर्ण विकास संभव नहीं। हमें वैश्विक मॉडलों से सीखना चाहिए।

गुरु तेग़ बहादुर

गुरु तेग़ बहादुर सिक्खों के नौवें गुरु थे। विश्व के इतिहास में धर्म एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में इनका अद्वितीय स्थान है। तेग़ बहादुर जी के बलिदान से हिंदुओं व हिन्दू धर्म की रक्षा हुई। हिन्दू धर्म के लोग भी उन्हें याद करते और उनसे संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। तेग़ बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

जीवन परिचय

गुरु तेग़ बहादुर जी का जन्म पंजाब के अमृतसर नगर में हुआ था। ये गुरु हरगोविन्द जी के पाँचवें पुत्र थे। आठवें गुरु इनके पोते हरिकृष्ण राय जी की अकाल मृत्यु हो जाने के कारण जनमत द्वारा ये नवम गुरु बनाए गए। इन्होंने आनन्दपुर साहिब का निर्माण कराया और ये वहीं रहने लगे थे। उनका बचपन का नाम त्यागमल था। मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुग़लों के हमले के ख़िलाफ़ हुए युद्ध में उन्होंने वीरता का परिचय दिया। उनकी वीरता से प्रभावित होकर उनके पिता ने उनका नाम त्यागमल से तेग़ बहादुर (तलवार के धनी) रख दिया।

युद्धस्थल में भीषण रक्तपात से गुरु तेग़ बहादुर जी के वैरागी मन पर गहरा प्रभाव पड़ा और उनका का मन आध्यात्मिक चिंतन की ओर हुआ। धैर्य, वैराग्य और त्याग की मूर्ति गुरु तेग़ बहादुर जी ने एकांत में लगातार 20 वर्ष तक बाबा बकाला नामक स्थान पर साधना की। आठवें गुरु हरकिशन जी ने अपने उत्तराधिकारी का नाम के लिए बाबा बकाले का निर्देश दिया। गुरु जी ने धर्म के प्रसार लिए कई स्थानों का भ्रमण किया। आनंदपुर साहब से कीरतपुर, रोपण, सैफाबाद होते हुए वे खिआला (खदल) पहुँचे। यहाँ उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुँचे। कुरुक्षेत्र से यमुना के किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुँचे और यहीं पर उन्होंने साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया।

इसके बाद गुरु तेग़ बहादुर जी प्रयाग, बनारस, पटना, असम आदि क्षेत्रों में गए, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए रचनात्मक कार्य किए। आध्यात्मिकता, धर्म का ज्ञान बाँटा। रूढ़ियों, अंधविश्वासों की आलोचना कर नये आदर्श स्थापित किए। उन्होंने परोपकार के लिए कुएँ खुदवाना, धर्मशालाएँ बनवाना आदि कार्य भी किए। इन्हीं यात्राओं में 1666 में गुरुजी के यहाँ पटना साहब में पुत्र का जन्म हुआ। जो दसवें गुरु- गुरु गोविंद सिंह बने।

बलिदान की कथा

गुरु तेग़ बहादुर जी सिखों के नौवें गुरु माने जाते हैं। औरंगज़ेब के शासन काल की बात है। औरंगज़ेब के दरबार में एक विद्वान् पंडित आकर रोज़ गीता के श्लोक पढ़ता और उसका अर्थ सुनाता था, पर वह पंडित गीता में से कुछ श्लोक छोड़ दिया करता था। एक दिन पंडित बीमार हो गया और औरंगज़ेब को गीता सुनाने के लिए उसने अपने बेटे को भेज दिया परन्तु उसे बताना भूल गया कि उसे किन किन श्लोकों का अर्थ राजा से सामने नहीं करना था। पंडित के बेटे ने जाकर औरंगज़ेब को पूरी गीता का अर्थ सुना दिया। गीता का पूरा अर्थ सुनकर औरंगज़ेब को यह ज्ञान हो गया कि प्रत्येक धर्म अपने आपमें महान् है किन्तु औरंगजेब की हठधर्मिता थी कि वह अपने के धर्म के अतिरिक्त किसी दूसरे धर्म की प्रशंसा सहन नहीं थी।

औरंगज़ेब ने सबको इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दे दिया और संबंधित अधिकारी को यह कार्य सौंप दिया। औरंगज़ेब ने कहा -सबसे कह दो या तो इस्लाम धर्म कबूल करें या मौत को गले लगा लें। इस प्रकार की ज़बर्दस्ती शुरू हो जाने से अन्य धर्म के लोगों का जीवन कठिन हो गया।

जुल्म से ग्रस्त कश्मीर के पंडित गुरु तेग़ बहादुर के पास आए और उन्हें बताया कि किस प्रकार इस्लाम को स्वीकार करने के लिए अत्याचार किया जा रहा है, यातनाएँ दी जा रही हैं। हमें मारा जा रहा है। कृपया आप हमारे धर्म को बचाइए। गुरु तेग़ बहादुर जब लोगों की व्यथा सुन रहे थे, उनके 9 वर्षीय पुत्र बाला प्रीतम (गुरु गोविंदसिंह) वहाँ आए और उन्होंने पिताजी से पूछा-

पिताजी, ये सब इतने उदास क्यों हैं? आप क्या सोच रहे हैं?

गुरु तेग़ बहादुर ने कश्मीरी पंडितों की सारी समस्याएं बाला प्रीतम को बताईं तो उन्होंने पूछा- इसका हल कैसे होगा?

गुरु साहिब ने कहा- इसके लिए बलिदान देना होगा।

बाला प्रीतम ने कहा- आपसे महान् पुरुष कोई नहीं है। बलिदान देकर आप इन सबके धर्म को बचाइए।

उस बच्चे की बातें सुनकर वहाँ उपस्थित लोगों ने पूछा- यदि आपके पिता बलिदान देंगे तो आप यतीम हो जाएँगे। आपकी माँ विधवा हो जाएगीं।

बाला प्रीतम ने उत्तर दिया- यदि मेरे अकेले के यतीम होने से लाखों बच्चे यतीम होने से बच सकते हैं या अकेले मेरी माता के विधवा होने जाने से लाखों माताएँ विधवा होने से बच सकती है तो मुझे यह स्वीकार है।

तत्पश्चात् गुरु तेग़ बहादुर जी ने पंडितों से कहा कि आप जाकर औरंगज़ेब से कह ?दें कि यदि गुरु तेग़ बहादुर ने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो उनके बाद हम भी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे और यदि आप गुरु तेग़ बहादुर जी से इस्लाम धारण नहीं करवा पाए तो हम भी इस्लाम धर्म धारण नहीं करेंगे। औरंगज़ेब ने यह स्वीकार कर लिया।

गुरु तेग़ बहादुर दिल्ली में औरंगज़ेब के दरबार में स्वयं गए। औरंगज़ेब ने उन्हें बहुत से लालच दिए, पर गुरु तेग़ बहादुर जी नहीं माने तो उन पर जुल्म किए गये, उन्हें कैद कर लिया गया, दो शिष्यों को मारकर गुरु तेग़ बहादुर जी को ड़राने की कोशिश की गयी, पर वे नहीं माने। उन्होंने औरंगजेब से कहा- यदि तुम ज़बर्दस्ती लोगों से इस्लाम धर्म ग्रहण करवाओगे तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो क्योंकि इस्लाम धर्म यह शिक्षा नहीं देता कि किसी पर जुल्म करके मुस्लिम बनाया जाए।

बलिदान

औरंगजेब यह सुनकर आगबबूला हो गया। उसने दिल्ली के चाँदनी चौक पर गुरु तेग़ बहादुर जी का शीश काटने का हुक्म ज़ारी कर दिया और गुरु जी ने 24 नवम्बर 1675 को हँसते-हँसते बलिदान दे दिया। गुरु तेग़ बहादुरजी की याद में उनके शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा बना है, जिसका नाम गुरुद्वारा शीश गंज साहिब है।

लेखन कार्य

गुरु तेग़ बहादुर जी की बहुत सी रचनाएँ ग्रंथ साहब के महला 9 में संग्रहित हैं। इन्होंने शुद्ध हिन्दी में सरल और भावयुक्त पदों और साखी की रचनायें की। सन् 1675 में गुरु जी धर्म की रक्षा के लिए अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध अपने चार शिष्यों के साथ धार्मिक और वैचारिक स्वतंत्रता के लिए शहीद हो गए। उनके अद्वितीय बलिदान ने देश की सर्व धर्म सम भाव की संस्कृति को सुदृढ़ बनाया और धार्मिक, सांस्कृतिक, वैचारिक स्वतंत्रता के साथ निर्भयता से जीवन जीने का मंत्र भी दिया।

Digihaat Buyer App बना देश का उभरता ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म, 5 महीने में पूरे किए 3 लाख ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। Digihaat ऐप का उद्देश्य डिजिटल कॉमर्स बिजनेस को और सुविधाजनक बनाना है। वैसे तो इस ऐप की शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में ही हुई है। लेकिन इतने कम समय में, इस ऐप के 2 लाख से भी ज्यादा यूजर्स हो चुके हैं। वहीं 4000 से ज्यादा व्यापारी इसके जरिए अपना बिजनेस करते हैं।

ये एक तरह का ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है, इस ऐप ने महज 5 महीनों में 3 लाख ऑर्डर पूरे कर लिए हैं। ये ऑर्डर नवंबर 2024 से 14 अप्रैल 2025 के बीच पूरे किए गए हैं। इस ऐप के जरिए अलग-अलग मेट्रो सिटीज के 2400 पिन कोड में ऑर्डर दिए जा चुके हैं। इनमें उत्तर प्रदेश का आयोध्या, पंजाब का जिराकपुर, जम्मू-कश्मीर का सोपोर, पश्चिम बंगाल का सिलीगुड़ी इत्यादि शामिल हैं।

कौन-कौन से हुए ऑर्डर- वहीं इस ऐप के जरिए ग्राहकों ने एक महीने में तीन बार तक रिपीट ऑर्डर दिए हैं। ऐप के जरिए लोग राशन-पानी, फूड और जरूरी सामान खरीदते हैं। केवल राशन-पानी के ही लोगों ने 2.70 लाख से भी ज्यादा ऑर्डर किए हैं। इसके साथ ही 35 ऑर्डर फूड कैटेगरी में और ब्यूटी और पर्सनल केयर में 2,250 ऑर्डर किए गए हैं।

निर्मित भारत के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, राहुल विज ने कहा कि ओएनडीसी को बहुत शुक्रिया की उन्होंने हम पर भरोसा किया। ये ऐप देश का उभरता हुआ, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। ये सिर्फ फूड डिलीवरी सर्विस नहीं देता। बल्कि छोटे बिजनेसमैन और देश के हर एक नागरिक को सपोर्ट करने की कोशिश करता है।

हम हर एक जगह डिलीवरी करते है, फिर चाहे वे कोई गांव या फिर शहर।

उन्होंने आगे कहा कि मै सभी उपभोक्ताओं और विक्रेताओं से आग्रह करूंगा कि वे भी हमारे साथ जुड़े।

डिजीहाट एक तरह का ई-कॉमर्स एप्लिकेशन ऐप है। इसका उद्देश्य देश के हर एक नागरिक एक सुलभ डिजिटल बाजार की सुविधा प्रदान करना है। फिर चाहे वे कोई गांव का एरिया हो या शहर। ये ऐप हर छोटे-बड़े बिजनसमैन को स्पोर्ट करती है।

ये ऐप ग्राहक और विक्रेता के बीच पारदर्शिता रखने का काम करती है। वहीं हर वस्तु को सही दाम में उपलब्ध करने की कोशिश भी करती है।

फिर महंगी हो सकती है सीएनजी और पीएनजी, कंपनियों के लाभ पर असर पड़ने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। जल्द ही सीएनजी और पीएनजी महंगी हो सकती है। दरअसल, भारत सरकार ने इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आइजीएल), महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) और अदाणी टोटल गैस लिमिटेड जैसी शहरी गैस वितरण कंपनियों को मिलने वाली कम लागत वाली एपीएम गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक की कटौती की है।

कंपनियों के लाभ पर असर पड़ने की संभावना- खास बात यह है कि कमी की भरपाई अधिक महंगे ईंधन से की जा रही है। इससे कंपनियों के लाभ पर असर पड़ने की संभावना है। एपीएम गैस की कीमत वर्तमान में 6.75 डालर प्रति एमएमबीटीयू है जबकि नए कुओं से निकलने वाली गैस की कीमत लगभग आठ डॉलर एमएमबीटीयू है।

सीएनजी और पीएनजी के खुदरा मूल्य में भी बढ़ोतरी हो सकती है- गैस आपूर्ति की नोडल एजेंसी गेल इंडिया लिमिटेड ने 16 अप्रैल से गैस आवंटन में कमी की सूचना दी है। आइजीएल, एमजीएल और अदाणी टोटल गैस ने शेयर बाजार को बताया कि उन्हें 125 प्रतिशत तक महंगी गैस का आवंटन किया गया है। इससे न केवल उनकी इनपुट कास्ट बढ़ेगी, बल्कि सीएनजी और पीएनजी के खुदरा मूल्य में भी बढ़ोतरी हो सकती है।

क्यों हो रही है सोने की कीमत में बढ़ोतरी, 95 हजार के पार हुआ 10 ग्राम सोना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने के भाव में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं सुबह लगभग 6 बजे ग्लोबल मार्केट में भी सोने की कीमत में बढ़ोतरी देखी गई थी। अभी सुबह 10.02 बजे एमसीएक्स (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) में सोने के भाव में उछाल देखा गया है।

24 कैरेट सोने का भाव 95,600 रुपये प्रति 10 ग्राम है। वहीं ये 95,852 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंचकर आज का हाई रिकॉर्ड बना चुका है। कल यानी 16 अप्रैल को 9 बजे के करीब ही 24 कैरेट सोने की कीमत 94,465 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंची थी।

जिसका मतलब है कि आज सोने के भाव में हल्की बढ़ोतरी ही आई है।

ग्लोबल बाजारों में कितनी रही सोने की कीमत - पीटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक शुरुआत सत्र में गोल्ड की कीमत ग्लोबल बाजारों में 3,357.40 डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं इस हफ्ते अब तक बुलियन में 3त्न से भी ज्यादा की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही अमेरिकी सोना वायदा 0.2त्न बढ़कर 3,351.50 डॉलर पर पहुंच गया है। ये रिपोर्ट तकरीबन सुबह 9 बजे की है।

चांदी के दाम में आई गिरावट- एमसीएक्स यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के अनुसार चांदी की कीमत में गिरावट आई है। जहां सोना आज और महंगा हो गया है। वहीं चांदी के दाम में गिरावट दर्ज की गई है। अभी लिखते समय, सुबह 10.06 बजे चांदी के दाम में लगभग 960 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट हुई है।

पर्सनल लोन कराना चाहते हैं बंद? इन बातों का रखें खास ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक आम आदमी बहुत मजबूरी पड़ने पर ही लोन का सहारा लेता है। कोई भी नहीं चाहता कि उसके ऊपर लंबे समय तक कोई लोन रहें। अगर आप भी पर्सनल लोन को बंद कराना चाहते है, तो कुछ बातों का खास ध्यान रखने की जरूरत है। नहीं तो आप भविष्य में काफी बड़ी परेशानी में फंस सकते हैं।

लोग बाकी लोन में से पर्सनल लोन का विकल्प इसलिए चुनते हैं क्योंकि इसे लेने में आपको किसी भी तरह की परेशानी नहीं होती। ये लोन किसी भी आवेदनकर्ता को आसानी से मिल जाता है।

लोन बंद करते वक्त इन बातों का रखें ध्यान- कोई भी लोन बंद करने से पहले हमें बकाया राशि का ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि अगर पूरी तरह से पेमेंट नहीं हुई, तो भविष्य में दिक्कत आ सकती है। इसलिए अगर आप पर्सनल लोन बंद कराना चाहते हैं, तो बकाया राशि को पूरा कर लें। ताकि आगे चलकर कोई दिक्कत ना हो।

आप बकाया राशि के बारे में बैंक के किसी अधिकारी से पूछ सकते हैं या बैंक जाकर भी इसकी जानकारी ले सकते हैं।

पीपीएफ में 3000, 6000 और 9000 रुपये निवेश कर 15 सालों में कितना बनेगा फंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीपीएफ सुरक्षित निवेश का बेहतरीन विकल्प है। एक अच्छा पोर्टफोलियो उसे ही माना जाता है। जिसमें सुरक्षित और असुरक्षित दोनों ही तरह के निवेश शामिल हो। ताकि सुरक्षित निवेश का गारंटी रिटर्न और असुरक्षित निवेश से मिलने वाला तगड़े लाभ का फायदा मिले।

पीपीएफ यानी पब्लिक प्रोविडेंट फंड निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर है। इसमें निवेश कर भविष्य के लिए मोटा फंड तैयार कर सकते हैं। चलिए इसकी पूरी कैलकुलेशन समझते हैं।

15 साल में कितना बनेगा फंड - पीपीएफ में आमतौर पर निवेशक 15 साल के लिए निवेश करते हैं। वहीं इसमें पैसे जमा कर, निवेशकों को सेक्शन 80 सी का लाभ भी मिल जाता है। इस तरह से निवेश के साथ टैक्स सेविंग भी पूरी हो जाती है। अगर आप भी पीपीएफ में निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं, तो इसकी कैलकुलेशन को समझना जरूरी है।

3000 रुपये निवेश- अगर कोई निवेशक हर महीने पीपीएफ में 3000 रुपये निवेश करता है, तो उसे 15 सालों बाद 4,36,370 रुपये रिटर्न में मिलेंगे। पीपीएफ में अभी 7.1 फीसदी का रिटर्न मिल रहा है। इसके साथ ही आपका कुल फंड 9,76,370 रुपये होगा। इस तरह से आप लगभग 1 लाख रुपये तक जमा कर लेंगे।

6000 रुपये निवेश- अगर पीपीएफ में हर महीने 6000 रुपये निवेश किया जाता है। तो 7.1 फीसदी रिटर्न के हिसाब से 15 सालों में आपको 8,72,740 रुपये तक का रिटर्न मिल जाएगा। वहीं आपका कुल फंड 19,52,740 रुपये होगा।

टीसीएस पर अमेरिकी कर्मचारियों के साथ भेदभाव के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड यानी टीसीएस पर अमेरिकी कर्मचारियों से भेदभाव करने के आरोप लगे हैं। इन आरोपों की अमेरिकी समान रोजगार अवसर आयोग (ईईओसी) जांच कर रहा है। आरोप है कि टीसीएस ने अमेरिकी कर्मचारियों से उनकी जाति, आयु और राष्ट्रीय मूल के आधार पर भेदभाव किया। इस मामले पर ईईओसी के प्रवक्ता ने संघीय कानून का हवाला देते हुए कहा कि एजेंसी जांच पर टिप्पणी नहीं कर सकती। ईईओसी को की गई शिकायतें या आरोप संघीय कानून के तहत गोपनीय होते हैं। अमेरिकी जांच एजेंसी को वर्किंग प्लेट में भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाले कानूनों को लागू करने का काम सौंपा गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हत्या के मामले में कोर्ट में दी थी DIG ने झूठी जानकारी, हाईकोर्ट ने लगाया 5 लाख का जुर्माना

ग्वालियर। ग्वालियर हाई कोर्ट ने हत्या के एक मामले में झूठी जानकारी देने और महत्वपूर्ण साक्ष्य छिपाने के आरोप में डीआईजी (पीएचक्यू) मयंक अवस्थी पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने अवस्थी के खिलाफ विभागीय जांच और अवमानना की कार्रवाई शुरू करने के आदेश भी दिए हैं।

यह मामला उस समय का है, जब अवस्थी दतिया के पुलिस अधीक्षक थे। कोर्ट ने उनकी कार्यप्रणाली को गलत ठहराते हुए कहा कि उन्होंने एक पक्ष को लाभ पहुंचाने के लिए साक्ष्य छिपाए, जो निष्पक्ष जांच के सिद्धांतों का उल्लंघन है। मामले का विवरण

यह प्रकरण 2017 का है, जब दतिया जिले के दीपार थाने में 24 सितंबर को हत्या का मामला दर्ज हुआ था। आरोपी मानवेंद्र गुर्जर ने दावा किया था कि घटना तीन-चार दिन पहले की थी। घटना के दिन मृतक, घायल और गवाह भिंड जिले के अमायन में थे, न कि दतिया में।

उन्होंने मोबाइल टावर लोकेशन के आधार पर अपनी बात साबित करने की मांग की। सेंवढ़ा न्यायालय ने पुलिस को टावर लोकेशन और

कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) सुरक्षित करने के निर्देश दिए थे। उस समय मयंक अवस्थी दतिया के एसपी थे।

साक्ष्य छिपाने का आरोप- पुलिस ने शुरू में कोर्ट को पत्र देकर दावा किया था कि टावर लोकेशन और कॉल डिटेल सुरक्षित हैं। जब मामला अंतिम तर्क के चरण में पहुंचा, तो पुलिस ने कहा कि डेटा सुरक्षित नहीं किया गया।

साइबर सेल ने बताया कि दो साल से पुराना डेटा रिट्रीव नहीं हो सकता। इस पर कोर्ट ने दीपार थाने के तत्कालीन प्रभारी को तलब किया, लेकिन वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद हाई कोर्ट ने अवस्थी और तत्कालीन थाना प्रभारी यतेन्द्र सिंह भदौरिया से जवाब मांगा।

हाई कोर्ट का सख्त रुख-4 अप्रैल 2025 को बहस के बाद हाई कोर्ट ने 16 अप्रैल को अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने अवस्थी की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने जानबूझकर साक्ष्य दबाए, जिससे एक पक्ष को लाभ पहुंचाने की कोशिश की गई।

कोर्ट ने इसे चौंकाने वाला और निष्पक्ष जांच के अधिकारों का उल्लंघन बताया। कोर्ट ने अवस्थी को एक महीने के भीतर 5 लाख रुपये प्रिंसिपल रजिस्ट्रार के पास जमा करने का आदेश दिया, जो जीतने वाले पक्ष को दिया जाएगा। गैर-अनुपालन पर अवमानना और वसूली की कार्रवाई होगी।

विभागीय जांच के आदेश- हाई कोर्ट ने डीजीपी को अवस्थी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने और उनके इरादों की पड़ताल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि डीजीपी को तय करना होगा कि ऐसे अधिकारी पुलिस विभाग में रहने योग्य हैं या नहीं। वर्तमान दतिया एसपी को 10 दिनों के भीतर कॉल डिटेल और मोबाइल लोकेशन रिकॉर्ड जमा करने को कहा गया है। डीजीपी को 20 मई 2025 तक जांच की प्रगति पर कोर्ट को सूचित करना होगा।

मामले का महत्व-यह फैसला पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही और निष्पक्ष जांच के महत्व को रेखांकित करता है। कोर्ट ने माना कि अवस्थी के कृत्य से एक परिवार ने अपना सदस्य खोया, जबकि दूसरा पक्ष गंभीर सजा का सामना कर रहा है। यह कार्रवाई पुलिस विभाग में अनुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

झोपड़ी में जिंदा जली 5 वर्षीय बच्ची, पिता की शराब की लत ने ली जान

ग्वालियर। भितरवार तहसील में रहने मजदूर परिवार में पिता की शराब की लत ने पांच साल की बच्ची की जान ले ली। दरअसल, शराब के आदी व्यक्ति ने बुधवार रात पत्नी को शराब लेने भेज दिया। उसे शराब लाने में देर हुई, तो खुद भी चला गया। इसी दौरान झोपड़ी में अकेली सो रही पांच साल की मासूम आग लगने से जिंदा जल गई।

एसडीएम देवकीनंदन सिंह का कहना है कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं। चूल्हे पर खाना बनता था, लेकिन वह भी शाम को ही बन गया था। बच्ची का पिता बीड़ी पीता था। आशंका व्यक्त की जा सकती है कि बीड़ी से आग लगी हो। बेलगड़ा क्षेत्र की आदिवासी बस्ती गाजना में अरविंद आदिवासी कच्ची झोपड़ी बनाकर रहता है। हादसे में 5 वर्षीय बेटी सुहानी जिंदा जल गई। घटना से आधा घंटे अरविंद ने पत्नी का शराब लेने भेजा था। उसके बाद बेटी को सोता छोड़ खुद भी पीछे चला गया।

परिवार को मिलेगी सहायता राशि

आठ माह की दूसरी बच्ची का पत्नी साथ ले गई थी। एक बेटा दादा-दादी के साथ ईंट भट्टे पर था। आग की सूचना पर भितरवार से फायर ब्रिगेड पहुंची, लेकिन तब तक झोपड़ी पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी।

परिवार को 50 किलो राशन 10 हजार रुपये अंत्येष्टि के लिए सहायता राशि दी गई है। प्रदेश सरकार को 4 लाख रुपए की सहायता राशि के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा, जिससे परिवार का आगे भरण पोषण हो सके।

पत्नी से हुआ था झगड़ा अरविंद आदिवासी ने कहा कि रात में विवाद के चलते पत्नी चली गई थी, इसलिए वह पीछे चला गया था। घर का दरवाजा लगा गया था। आग कैसे लगी यह नहीं पता।

धार के भोज दवाखाना में नर्स के साथ मरीज ने की मारपीट, प्रकरण दर्ज

धार। धार के भोज दवाखाना मे, जो मरीजों की देखभाल कर उनके स्वास्थ्य को ठीक करते हैं, उन्हीं के साथ अभद्र व्यवहार कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। दरअसल, बुधवार की रात को अस्पताल के मेल मेडिकल वार्ड में मरीज ने एक नर्स के साथ अभद्र व्यवहार किया। इतना ही नहीं, मरीज ने नर्स के साथ मारपीट भी की। इससे नर्स को सिर में चोट भी लगी है।

इस घटना की जानकारी अस्पताल के स्टाफ को मिली तो वे तुरंत ही मौके पर पहुंचे और नर्स को बचाया। अगले दिन गुरुवार को नर्स ने कोतवाली थाने में आरोपित महेंद्र पुत्र वीरेंद्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। इस पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपित पर वैधानिक कार्रवाई की है। नर्स ने पुलिस को रिपोर्ट में बताया कि मेरी 16 अप्रैल की रात 8 बजे से 17 अप्रैल की सुबह 8 बजे तक मेल मेडिकल वार्ड में ड्यूटी थी। इस दौरान 16 अप्रैल को पेट दर्द की शिकायत होने पर दौलत नगर निवासी महेंद्र पुत्र वीरेंद्र को मेल मेडिकल वार्ड में उपचार के लिए भर्ती किया गया था। 17 अप्रैल की रात को आरोपित महेंद्र बोला कि मुझे पेट में दर्द हो रहा है, तो मुझे बाटल चढ़ा दो। इस पर मैंने कहा कि मैं बॉटल तैयार कर रही हूं, तब तक आप बैठिए। इस बात पर महेंद्र ने मेरे साथ अभद्र व्यवहार किया और मारपीट की। इससे मुझे सिर में चोट आई है। आरोपित ने जान से मारने की धमकी भी दी। इस दौरान वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों का भी इलाज नहीं करने दिया।

Bhopal में लगी मध्यप्रदेश की पहली डीएनए सीक्वेंसर मशीन

भोपाल । भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में 17 अप्रैल को मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अस्पताल के सिकल सेल एनीमिया सक्षमता केंद्र में स्थापित आनुवंशिक विश्लेषण प्रयोगशाला एवं डीएनए सीक्वेंसर मशीन का लोकार्पण किया। साथ ही ÷सिकल सेल एनीमिया के प्रबंधन में आनुवंशिक विश्लेषण और एकीकृत दृष्टिकोण÷ विषय पर संगोष्ठी का शुभारंभ भी किया। माननीय राज्यपाल ने इस दौरान सिकल सेल से पीड़ित कुछ बच्चों से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री श्री कुँवर विजय शाह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक डॉ. सलोनी सिडाना, आईसीएमआर- राष्ट्रीय प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान संस्थान, मुंबई की निदेशक डॉ. मनीषा मडकईकर, और बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े। साथ ही सिकल सेल से पीड़ित कई मरीज व उनके अभिभावक भी कार्यक्रम में शामिल थे।

इस दौरान 'सिकल सेल रोग- जानकारी, बचाव और देखभाल' शीर्षक दिग्दर्शिका का लोकार्पण विमोचन किया गया तथा सिकल सेल पीड़ितों को स्वास्थ्य किट एवं पोषण आहार वितरित किए गए।ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल को भारत से खत्म करने का लक्ष्य रखा है।इस लक्ष्य को हासिल करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। जहां भी लोगों के सिकल सेल से प्रभावित होने की आशंका है, वहां लोगों की जांच कराओ। जो बीमारी से ग्रसित पाए जाते हैं, उनको दवा दिलाओ।

सिकल सेल उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बीएमएचआरसी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि चूंकि सिकल सेल एक अनुवांशिक बीमारी है।

इसलिए इसका उन्मूलन जटिल और चुनौतीपूर्ण कार्य है। हमारे वैज्ञानिकों ने जीन स्तर के विश्लेषण द्वारा रोग की जड़ तक पहुंचकर रोग उन्मूलन के लिए कार्य करने का अभूतपूर्व अवसर उपलब्ध कराया है।उन्होंने कहा कि सिकल सेल के उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों में डीएनए सीक्वेंस मशीन की स्थापना एक सकारात्मक पहल है।

यह मशीन सिकल सेल रोग से संबंधित चुनौतियों और जटिलताओं को समझने और समाधान खोजने में सहायक सिद्ध होगी।सिकल सेल बीमारी के बारे में जनजागरूकता लाने के लिए राज्यपाल मंगुभाई पटेल के प्रयासों को अभूतपूर्व बताते हुए जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने कहा कि सिकल सेल एक अद्भुत और अनोखी बीमारी है, लेकिन पहले बीमारी से ग्रस्त बच्चों और उनके माता–पिता को इसके बारे में पता ही नहीं था।

महामहिम राज्यपाल के प्रयासों से लोगों में काफी जागरूकता आई है।

संभागायुक्त दीपक सिंह ने शासकीय श्री अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय का इतिहास जाना

हिन्दी, अंग्रेजी सहित विभिन्न भाषाओं की एक लाख से अधिक किताबों का संग्रह है

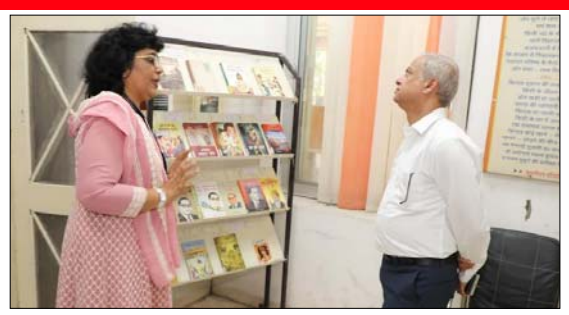

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने आज शासकीय श्री अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय का अवलोकन किया। इस मौके पर पुस्तकालय प्रमुख श्रीमती लिली संजय डावर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

संभागायुक्त श्री सिंह ने पुस्तकालय प्रमुख श्रीमती लिली डावर के साथ पुस्तकालय के सभी कक्षों का अवलोकन किया और विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त की। पुस्तकालय में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के साथ संवाद भी किया और उनकी पढ़ाई के बारे में जाना। संभागायुक्त श्री सिंह को निरीक्षण के दौरान बताया गया कि शासकीय श्री अहिल्या केन्द्रीय पुस्तकालय का इतिहास वर्षों पुराना है। इस भवन को सफेद कोठी के नाम से भी जाना जाता है, जिसमें सर टेलर एवं सर हर्टन रहा करते थे। यहाँ हिन्दी, अंग्रेजी और मराठी सहित विभिन्न भाषाओं की एक लाख से भी अधिक पुस्तकें हैं, जिनका रख-रखाव आधुनिक एवं वैज्ञानिक तरीके से किया जाता है। सभी किताबों को इस प्रकार से कोडिंग करके जमाया गया है कि किसी भी पुस्तक को तलाशने में कम-से-कम समय लगता है।

इस पुस्तकालय में रखी अधिकांश पुस्तकें राजाराम मोहन राय लाईब्रेरी फाउंडेशन, मध्यप्रदेश शासन या दानदाताओं के द्वारा प्राप्त होती है। इसके अलावा यहां प्रतिदिन हिन्दी, अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं के 17 समाचार पत्र आते है। साथ ही विभिन्न भाषाओं की पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक सहित 33 पत्रिकाएं भी आती है। पुस्तकालय के नियमित सदस्य को अधिकतम दो पुस्तकें घर ले जाने की पात्रता है। पुस्तकालय में एक कक्ष बच्चों का भी है जिसमें बाल साहित्य है तथा मराठी भाषा का अलग से प्रभाग है। पुस्तकालय में एक कक्ष उन विद्यार्थियों के लिये है जो यूपीएससी, पीएससी, आईआईटी, क्लेट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इसका सदस्य शुल्क नाममात्र है। इस पुस्तकालय में एक संगोठी कक्ष भी है, जो लेखक और साहित्यकारों की बैठक एवं चर्चा के लिए है, यह कक्ष निःशुल्क है। इस कक्ष में 40 चित्र है, जो मूर्धन्य साहित्यकारों, लेखकों एवं कवियों के है। इसके अलावा यहां ऐतिहासिक धरोहरें के 51 चित्र भी हैं, जिसमें ऐतिहासिक राजवाड़ा, महेश्वर का किला, जाम गेट, कांच मंदिर, कृष्णापुरा छत्री आदि प्रदर्शित है। पुस्तकालय का एक कक्ष संविधान कोना के नाम से है, जहां भारतीय संविधान की मूल प्रति की प्रतिकृति प्रदर्शित है। 251 पृष्ठीय इस प्रतिकृति के ऊपर सोने की परत है। साथ ही भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर, भारतीय संविधान निर्माती के सदस्य पद्मभूषण श्री विनायक सीताराम सरवटे, संविधान का लोगो बनाने वाले चित्रकार दीनानाथ भार्गव तथा पुण्य श्लोका देवी अहिल्या बाई के चित्र है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मंत्री श्री सिलावट पहुंचे गांवों में

इंदौर। जल संरक्षण और स्वच्छता को समर्पित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बुधवार को जल संसाधन मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत पीर कराडिया और डकाच्या का भ्रमण किया। इस अभियान के तहत डकाच्या स्थित प्राचीन शिव मंदिर बावड़ी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। बावड़ी की साफ-सफाई कर जल स्त्रोतों के संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने बावड़ी के सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार कार्य हेतु 3 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत पीर कराडिया के श्रीराम मंदिर परिसर में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। मंत्री श्री सिलावट ने स्वयं ग्रामीणों के साथ मिलकर साफ-सफाई कर स्वच्छता का महत्व बताया। ग्रामीणों को साफ-सफाई, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। श्री सिलावट ने मौके पर उपस्थित शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों का सम्मान भी किया। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

प्रीतमलाल दुआ सभागृह के सम्पूर्ण रिनोवेशन का कार्य 30 जून तक होगा पूरा

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने आज प्रीतमलाल दुआ सभागृह में चल रहे विभिन्न प्रकार के रिनोवेशन कार्यों का अवलोकन किया। इस मौके पर उनके साथ आईडीए के अधीक्षण यंत्री श्री अनिल चुघ, कार्यपालन यंत्री श्री राकेश अखंड सहित अन्य अधिकारी साथ थे। संभागायुक्त श्री सिंह ने प्रीतमलाल दुआ सभागृह के मुख्य ऑडिटोरियम सहित पेन्टिंग प्रदर्शनी कक्ष और हॉल का निरीक्षण किया। इस मौके पर संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रीतमलाल दुआ सभागृह में फर्श, लाईटिंग, कुर्सियां लगाना, वातानुकूलीन एवं अन्य निर्माण कार्य 30 जून तक पूरा कर लिया जाये। इसके अलावा पेन्टिंग प्रदर्शनी कक्ष और मुख्य हॉल का रिनोवेशन का कार्य बारिश के पहले ही कर लिया जाये। संभागायुक्त श्री सिंह ने आईडीए के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि रिनोवेशन एवं निर्माण कार्यों में ईमानदारी, पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये। कलाकारों एवं

वॉयस एक्टिंग' का विशेष प्रशिक्षण देंगे हरीश भिमानी

इंदौर। हमारे समय की सबसे अधिक सम्मानित आवाज़ और इस क्षेत्र के प्रबुद्ध पेशेवर श्री हरीश भिमानी 17 और 18 अप्रैल 2025 को स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के कार्यक्रम 'लर्न विथ लेजेंड' में 'वॉयस एक्टिंग' का प्रशिक्षण देंगे। दो दिन के इस विशेष कार्यक्रम का नाम है -' वॉयस एज् ए करियर'। यह कार्यक्रम स्थानीय अभिनव कला समाज में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से होगा। दोनों दिनों के इस कार्यक्रम में प्रतिभागी रजिस्ट्रेशन के माध्यम से प्रशिक्षण में हिस्सा ले सकेंगे। अभिनव कला समाज में आज रात दस बजे तक प्रतिभागी अपने नाम दर्ज करा सकते हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. की तरफ़ से सर्टिफिकेट भी प्रदान किये जायेंगे।

यह जानकारी स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने दी। उन्होंने कहा, एआई पर देश के पहले तीन दिवसीय पत्रकारिता महोत्सव के बाद यह स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. की एक अभिनव पहल है। श्री खारीवाल ने कहा, वॉयस एक्टिंग के इस विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम का पाठ्यक्रम स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. ने श्री हरीश भिमानी के साथ मिलकर तैयार किया है। इसकी संकल्पना में सृजनधर्मी पत्रकार शकील अख्तर ने अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई है। वे स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. सहयोगी और इसके कार्यक्रमों के परिकल्पनाकार भी हैं। कार्यक्रम में वे भी मौजूद रहेंगे। श्री खारीवाल ने बताया, इस कार्यक्रम में हरीश भिमानी वायस एक्टिंग के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण देंगे। इन दो दिनों में स्वर प्रशिक्षण से जुडे उनके 4 विशेष सत्र होंगे। जर्नलिज़्म के स्टूडेंट्स के साथ ही यह ट्रेनिंग प्रोग्राम उन सभी प्रतिभागियों के लिये लाभकारी होगा जो आवाज़ की दुनिया में अपनी सफलता हासिल करना चाहते हैं। हरीश जी इन सत्रों में शामिल होने वाले प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी करेंगे।

भिमानी जी के बारे में- हरीश भिमानी मीडिया जगत और आवाज़ की दुनिया में भारत की सबसे पहचानी जाने वाली आवाज़ों में से एक हैं। उन्हें दूरदर्शन पर प्रसारित धारावाहिक 'महाभारत' के प्रसारण दिनों से ही देश और दुनिया में सुने गये उनके शब्द 'मैं समय हूँ' के रूप में ऐसी प्रसिद्धि मिली कि जो आज भी व्यूअर्स के दिलो दिमाग में गूँज रही है। वे एक ऐसी आवाज भी हैं जिनके नाम सबसे ज्यादा 28,500 रिकॉर्डिंग दर्ज है।

फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालों के विरुद्ध जिला प्रशासन हुआ और सख्त

इंदौर। इंदौर जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाने वालों के विरुद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में बड़ी कार्रवाई करते हुए आज तीन किसानों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। अभियान चलाकर की जा रही इस कार्रवाई में नरवाई जलाने पर अभी तक 770 किसानों के विरुद्ध 16 लाख 71 हजार 500 रुपये का अर्थ दंड किया गया है। इसी तरह जिले में आज बुधवार को एक दिन में ही 102 किसानों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करते हुए 3 लाख 9 हजार 500 रुपये का अर्थ दंड किया गया है । यह कार्यवाही आगामी दिनों में भी निरन्तर जारी रहेगी। जिले में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर हातोद क्षेत्र में एक, जूनी इंदौर क्षेत्र में एक तथा भिचोलीहप्सी क्षेत्र में एक एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिले में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर कृषि से संबंधित मैदानी अधिकारियों एवं राजस्व विभाग के पटवारियों द्वारा पंचायत सचिवों के साथ समन्वय कर कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं तथा किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों से किसानों को अवगत कराया जा रहा है। किसानों से अपील की जा रही है कि नरवाई न जलाएँ, नरवाई जलाने से पर्यावरण को नुकसान होता है। किसान यदि नरवाई जलाता है तो राज्य शासन के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा उक्त अधिसूचना अंतर्गत नरवाई में आग लगाने के विरुद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि दण्ड का प्रावधान निर्धारित किया गया है।

पद्मश्री भैरव सिंह चौहान ने किया बाबूजी को स्मरण, कहा- मेरे जीवन में उनका सबसे बड़ा योगदान

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री स्वर्गीय रामेश्वर पटेल (बाबूजी) की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके निवास स्थान पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात लोकगायक एवं पद्मश्री सम्मानित भैरव सिंह चौहान ने बाबूजी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, आज मैं जिस मुकाम पर हूँ, उसमें बाबूजी का सबसे बड़ा योगदान है। उन्होंने मुझे कबीर भजन और मालवी गायिकी के प्रति सदैव प्रेरित किया और हर छोटे-बड़े मंच पर अवसर देकर मेरा मनोबल बढ़ाया। बाबूजी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन करता हूँ।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, समाजसेवी मदन परमालिया, शिक्षाविद् जगदीश शर्मा, चेतन चौधरी, विनोद सत्यनारायण पटेल, मिथिलेश जोशी, कल्याण भाई सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की गरिमा और बाबूजी के प्रति श्रद्धा ने वातावरण को भावुक कर दिया। उपस्थितजनों ने बाबूजी के सामाजिक योगदान और सादगीपूर्ण जीवनशैली को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

एआई द्वारा जजों की भूमिका हो सकती है खतरनाक; इसके न्यायिक उपयोग पर विचार आवश्यक

तीन दिवसीय पद्मश्री एन. एन. जैन नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

इंदौर। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव आज हर क्षेत्र में बढ़ रहा है, जिसमें न्याय क्षेत्र भी शामिल है। भविष्य में एआई के जजों की भूमिका निभाने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन यह खतरनाक हो सकता है। यह बात मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जज जस्टिस वी. के. शुक्ला ने बुधवार को प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के लॉ विभाग में डॉ. एन. एन. जैन नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर कही।

जस्टिस शुक्ला ने कहा कि प्रेस्टीज लॉ विभाग ने समसामयिक विषय पर यह प्रतियोगिता आयोजित की है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया, ÷यदि कोई एम्बुलेंस रेड सिग्नल पार करती है, तो ट्रैफिक पुलिस उसे अनुमति दे सकता है, लेकिन एआई शायद चालान बना दे। एआई के न्यायिक उपयोग पर गंभीर विचार की आवश्यकता है।÷

इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. वी. के. आहूजा ने कहा कि मूट कोर्ट कानून के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह उनकी तर्क क्षमता, कोर्ट शिष्टाचार और आत्मविश्वास को बढ़ाता है।

शासकीय महाविद्यालय सांवेर को मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की सौगात- 352 लाख रूपये की स्वीकृति

इंदौर। सांवेर क्षेत्र के शैक्षणिक विकास और विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय विधायक एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट द्वारा शासकीय महाविद्यालय सांवेर को एक और महत्वपूर्ण सौगात दी गई है। मंत्री श्री सिलावट की पहल पर मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 352 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, जिसके अंतर्गत हाल ही में निर्मित महाविद्यालय भवन के ऊपर अतिरिक्त छह कक्षों का निर्माण किया जाएगा। इस स्वीकृति से महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए और अधिक शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे शिक्षा का स्तर और वातावरण और भी सुदृढ़ होगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर ने प्रशासनिक अमले के साथ पंचकोशी यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ाव स्थलों का निरीक्षण किया

श्रद्धालुओं की सुविधाओं, मार्गों की स्थिति, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा संबंधी दिये आवश्यक निर्देश

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने गुरुवार को प्रशासनिक अमले के साथ पंचकोशी यात्रा की तैयारियों की समीक्षा हेतु विभिन्न पड़ाव स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधाओं, मार्गों की स्थिति, स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत उन्होंने श्री नागचंद्रेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन के साथ की। इसके पश्चात उन्होंने यात्रियों के आगमन एवं प्रस्थान मार्ग का भी अवलोकन किया। कलेक्टर श्री सिंह ने इसके पश्चात पिंगलेश्वर महादेव मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वच्छता एवं चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने रेलवे ओवरब्रिज के आसपास के मार्ग को दुरुस्त किए

जाने के निर्देश दिए, जिससे आवागमन में किसी प्रकार की बाधा न हो।

त्रिवेणी शनि मंदिर पड़ाव स्थल का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने त्रिवेणी घाट की सफाई, फव्वारों की स्थापना एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने कहा कि समस्त कार्य 19 अप्रैल तक पूर्ण किए जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने करोहन पड़ाव स्थल पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि पड़ाव स्थल पर आवश्यक सुविधाएं, विशेषकर स्वच्छता को प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाए। नलवा पड़ाव स्थल के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को यात्रियों हेतु शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने अम्बोदिया स्थित बिल्केश्वर महादेव मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की तथा संबंधित अधिकारियों को अम्बोदिया पहुंच मार्ग की मरम्मत एवं मार्ग की लेवलिंग शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल तक समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण की जाएं। पड़ाव स्थल पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सेवा धाम आश्रम, अम्बोदिया के संचालक सुधीरभाई गोयल द्वारा नवागत कलेक्टर का सम्मान किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, सीईओ जिला पंचायत जयति सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

लेटेस्ट टेक्नोलॉजी आई वी यू एस से की एंजियोप्लास्टी

उज्जैन। अवंती हॉस्पिटल, नानाखेड़ा द्वारा एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया, उज्जैन के सहयोग से दो दिवसीय सीएमई एवं कार्डियक अपडेट्स पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता ऑस्ट्रेलिया से पधारे प्रसिद्ध इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. निलेश मेहता रहे, जिन्होंने नवीनतम कार्डियक तकनीकों एवं हृदय रोगों के उपचार में हो रहे आधुनिक शोधों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. मोहसिन बिलाल, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, अवंती हॉस्पिटल ने भी कार्डियक इमर्जेंसी एवं हाई रिस्क काम्प्लेक्स एंजियोप्लास्टी पर व्याख्यान दिया, जो चिकित्सकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर डॉ. विजय गर्ग, डॉ. विमलेश पाटीदार एवं एपीआई उज्जैन से जुड़े अन्य गणमान्य अतिथिगण भी उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। सीएमई एवं वर्कशॉप का संचालन एवं मॉडरेशन डॉ. अनीमेश जैन, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा किया गया। वर्कशॉप के दौरान अवंती हॉस्पिटल मे आई वी यू अस तकनीक द्वारा जटिल मरीजों की सफल एंजियोप्लास्टी की गई। आई वी यू अस एक लेटेस्ट विश्वस्तरीय टेक्नोलॉजी है जिसका उपयोग जटिल एंजियोप्लास्टी के दौरान किया जाता है। अवंती हॉस्पिटल, नानाखेड़ा मे पहली बार इस तकनीक से एंजियोप्लास्टी की गई। यह आयोजन न केवल हृदय रोग विशेषज्ञों के लिए बल्कि सभी चिकित्सकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। अवंती हॉस्पिटल के इस प्रयास की सर्वत्र सराहना की गई, जिसने उज्जैन में मेडिकल एजुकेशन को एक नई दिशा दी है।

कोई भी महापुरुष या भगवान किसी जाति के नहीं

उज्जैन । प्रायः माना जाता है कि जब भी हमारे देश के किसी महापुरुष या भगवान की जयंती अथवा प्राकट्य दिवस आता है तो जो समाज आयोजन करने की पहल करता है उन महापुरुष या भगवान को उसी समाज तक ही सीमित कर दिया जाता है जिससे धीरे धीरे हमारे भगवान , महापुरुष की महिमा कम होने लगती सभी का जुड़ाव नहीं होता है । बल्कि कोई भी भगवान या महापुरुष किसी एक जाति के थे ही नहीं है इस विषय पर आज 10.30 बजे होटल अवंतिका रेलवे स्टेशन पर एक बैठक रखी गई है जिसमें श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सुमनानंद जी महाराज के सानिध्य में कई समाज प्रमुखों की उपस्थिति में चर्चा का आगामी रूप रेखा रखी जाएगी । बैठक के सूत्रधार उज्जैन कायस्थ समाज के अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि हमारे नगर में कई प्रकार के आयोजन होते है ।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी होंगे सम्मानित

उज्जैन। पांचवी एवं आठवीं बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण प्रतिभाशाली छात्राएं सम्मानित होंगे। विनोद लाला जन्मोत्सव समिति के संयोजक बाबर खान, एवं अध्यक्ष पंकज जयसवाल ने बताया कि इस वर्ष कक्षा पांचवी एवं आठवीं बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंकों से पास होने वाले उज्जैन शहर के छात्र-छात्राओं को 1 मई गुरुवार को सम्मानित किया जाएगा। उप संयोजक डॉ. आसिफ नागोरी एवं सचिव फैसल अहमद ने बताया छात्र छात्राएं अपने अंक सूची की एक फोटोकॉपी पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 25 अप्रैल तक होटल नोवल इन सरोज कुरैशी हरी फाटक वजीर पार्क कॉलोनी 7879151735, न्यू स्टार गेस्ट हाउस हरी फाटक महाकाल रोड 7898626548, इस्लामिक इंटरनेशनल स्कूल आगर नाका 8319596681, ऑफिस सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी 48 अमरपुरा उज्जैन पर अनिवार्य रूप से जमा करें। इसके बाद प्राप्त होने वाली अंक सूची स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर9302639292 या 8120007862 पर संपर्क कर सकते हैं। उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता इमरान खान एवं अममार मेमून ने दी।

प्रतिकल्पा की नृत्य कार्यशाला 4 मई से

उज्जैन। प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था व विक्रम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एवं मीडिया पार्टनर रेडियो दस्तक की विशेष सहयोग से 4 से 18 मई तक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भारतीय ज्ञानपीठ परिसर, माधवनगर रेलवे स्टेशन के सामने सद्भावना हॉल में किया जा रहा है। इसमें दक्षिण भारत की सुंदर नृत्य शैली भरतनाट्यम, लोकनृत्य, बॉलीवुड एवं पारंपरिक मांडना बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

संस्था अध्यक्ष डॉ शिव चौरसिया ने बताया कि संस्था द्वारा विगत 20 वर्षों से इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उज्जैन तथा उसके आसपास क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए दक्षिण भारत की सुंदर नृत्य शैली भरतनाट्यम का प्रशिक्षण देने के लिए इस वर्ष वरिष्ठ नृत्यांगना श्वेता देवेंद्र शर्मा ,भोपाल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा महिलाओं को विशेष रूप से मंच प्रदान करने के उद्देश्य से लोक नृत्य का प्रशिक्षण वरिष्ठ नृत्य गुरु डॉ पल्लवी किशन एवं लोकेश सिंह तोमर, बॉलीवुड डांस सिद्धांत चौबे मुंबई एवं पारंपरिक मांडना बनाने का प्रशिक्षण सिद्धार्थ किशन एनआईडी द्वारा दिया जाएगा। इस कार्यशाला में 4 वर्ष के बच्चों से लेकर बड़ी उम्र तक की महिलाएं भाग दे सकेंगे। कार्यशाला का समापन भव्य रंगारंग मंचीय कार्यक्रम के साथ 18 मई को किया जाएगा। संस्था पदाधिकारी डॉ प्रकाशेंद्र माथुर, डॉ राकेश शर्मा, डॉ. अनीता चौधरी, कुमार किशन, ओमप्रकाश गुप्ता, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विजय भागचंदानी, रविंद्र देवलेकर, शीला व्यास, डॉ पुष्पा चौरसिया, प्रवीण चतुर्वेदी ने इच्छुक लोगों से भाग लेने का आह्वान किया है। पंजीयन हेतु 8 आशा भवन, माधव क्लब रोड पर एवं मोबाइल नंबर 9407126842 पर संपर्क किया जा सकता है।

अंतिम इच्छा अनुसार ओम प्रकाश गुप्ता नायक की संपूर्ण देहदान, नेत्रदान

उज्जैन। उज्जैन मोढ़ समाज के ओमप्रकाशजी गुप्ता नायक की देह एवं नेत्र दान किये गये। ओमप्रकाशजी गुप्ता उज्जैन मोढ़ समाज के प्रथम देहदानी हैं। संस्कृति प्रेमी, हरफ़न मौला, मिलन सार, मोढ़ समाज के गौरव पुत्र, पांच हजार से भी अधिक गणपति जी की मूर्तियों के संग्रह कर्ता, श्री महाकाल जी की सवारी में सांस्कृतिक वेष भूषाओं के मार्गदर्शक, श्री मनोहर गुप्ता, नायक 'स्वामी खिलखिला के ज्येष्ठ भ्राता ओम प्रकाश गुप्ता की अंतिम इच्छा अनुसार संपूर्ण देह आर डी गार्डी ट्रस्ट को दान की गई एवं गीता भवन न्यास समिति, बड़नगर को 697 वाँ नेत्रदान किया गया।

साइबर धोखाधड़ी को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने दिया कलेक्टर को ज्ञापन

उज्जैन। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित संगठन उज्जैन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका संघ की जिला अध्यक्ष उम्मीद तोमर के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि शासन की योजना का लाभ देने के लिए हितग्राहियों के घर जाकर फैस कैप्चा करवाकर ओटीपी प्राप्त करना पड़ता है। जिसको लेकर हितग्राही और उनके परिवार वाले ओटीपी देने में आनाकानी करते हैं जिससे कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बहुत दिक्कत आती है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को अनुपस्थित माना जाता है ओटीपी प्राप्त नहीं होने पर फेस कैप्चर नहीं होने पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका आर्थिक तंगी से भी जूझ रही है। आए दिन नागरिकों को फर्जी कॉल के माध्यम से ओटीपी प्राप्त किए जाते हैं जिसमें आंगनबाड़ी का नाम लेकर भी साइबर फ्रॉड की घटना को अपराधी अंजाम दे रहे हैं एवं लाखों रुपया हितग्राहियों के खातों से गायब हो चुके है। ज्ञापन में मांग की गई थी पोशन ट्रैक्टर एप में फेस कैप्चा और ओटीपी वाली प्रक्रिया को शीघ्रता से बंद किया जाए। जिस की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका मानसिक रूप के तनाव से बच सके। क्योंकि इसके अलावा भी बहुत सारे कार्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को करना पड़ते हैं वे सब कार्य भी बाधित हो रहे हैं। ज्ञापन के दौरान प्रमुख रूप से मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ का प्रदेश संगठन मंत्री मनोहर गिरी, अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष तूफान शर्मा, जिला महामंत्री रजनी सिसोदिया, पार्वती थापा, लता वर्मा, रानी शर्मा, तरुना शर्मा ,चंद्रकांत फटले, ओम यादव, राजीव सिंह सेंगर,एम.आर मंसूरी, नवीन पांडे, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, हमिद खान, विष्णु कांत पांचाल,अलीम पठान, अनस खान, सपना, प्रीति, रीता , मंगलम, सहित डेढ़ सौ से दो सो की संख्या में आंगन वाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका उपस्थित थी। यह जानकारी बीएमएस के जिला मीडिया प्रभारी गुलशन मंसूरी ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com